



5 April, 2024

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA)

संदर्भ: आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का एक अभिन्न अंग है। सरकार ने हाल ही में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खातों के बारे में एक सूचना-विवरण जारी किया है।

➤ आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए):

- ABHA एक व्यक्ति के सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को आपस जोड़ने वाले खाते/नंबर के रूप में कार्य करता है, जिसका लक्ष्य एक डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाना और स्वास्थ्य देखभाल डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना है।
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) में नामांकित व्यक्तियों को बिना किसी लागत के हेल्थ आईडी या एबीएचए बनाने की अनुमति देता है।
- **ABHA के उद्देश्य:** आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के लिए एक सहज और कुशल वित्तीय ढांचे की सुविधा प्रदान करना, पारदर्शिता, जवाबदेही और स्वास्थ्य देखभाल निधि की पहुंच सुनिश्चित करना।

➤ आभा की विशेषताएं:

- **कैशलेस लेनदेन:** सूचीबद्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर पात्र लाभार्थियों को कैशलेस लेनदेन के लिए सक्षम बनाता है, जिससे चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान वित्तीय दबाव कम होता है।
- **इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (EHR):** रोगी की जानकारी के भंडारण, पुनर्प्राप्ति और सुव्यवस्थित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को एकीकृत करता है।
- **पोर्टेबिलिटी:** आयुष्मान भारत योजना के तहत विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच पोर्टेबल होने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित हो सके।
- **वास्तविक समय की निगरानी:** फंड के उपयोग को ट्रैक करने और संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने के लिए यह वास्तविक समय की निगरानी तंत्र को भी शामिल करता है।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही:** यह डिजिटल लेनदेन और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है, जिससे भ्रष्टाचार के जोखिम कम होते हैं।

➤ ABHA के घटक:

- **लाभार्थी की पहचान:** इसमें पात्र लाभार्थियों की पहचान और पंजीकरण, ट्रैकिंग और प्रबंधन के लिए एक विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान संख्या (यूएचआईडी) आवंटित की जाती है।
- **निधि (वित्तीय) प्रबंधन:** त्वरित और सुरक्षित हस्तांतरण सुनिश्चित करते हुए, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए धन के आवंटन और संचितरण का प्रबंधन करता है।
- **दावा निपटान:** यह स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रस्तुत दावों को संसाधित और उसका ससमय निपटान करता है, प्रामाणिकता की पुष्टि करता है और भुगतान भी वितरित करता है।
- **ऑडिट और निरीक्षण:** फंड के उपयोग की निगरानी करने और अनियमितताओं का पता लगाने, अनुपालन और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए यह अपने घटकों में ऑडिट तंत्र को भी शामिल करता है।

➤ आभा के लाभ:

- **वित्तीय सुरक्षा:** स्वास्थ्य देखभाल लागत को कवर करके, लाभार्थियों के लिए अपनी जेब से होने वाले खर्च को कम करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है।

- **कुशल स्वास्थ्य सेवा वितरण:** प्रशासनिक कार्यों में होने वाले विलम्ब को कम करते हुए, कैशलेस लेनदेन और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड के माध्यम से यह दक्षता को बढ़ावा देता है।
- **डेटा-संचालित निर्णय लेना:** यह साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने और नीति निर्माण के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि उत्पन्न करता है, स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों को प्रभावी ढंग से संबोधित करता है।

➤ सीजीएचएस कर्मचारियों के लिए ABHA का उपयोग:

- सीजीएचएस लाभार्थियों को डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करता है, जिससे पसंदीदा व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) ऐप्स में स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच की अनुमति मिलती है।
- व्यापक स्वास्थ्य देखभाल प्रावधान सुनिश्चित करते हुए, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य रिकॉर्ड के सुरक्षित हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है।
- वेल्नेस सेंटर्स पर क्यूआर कोड स्कैनिंग के माध्यम से ओपीडी अपॉइंटमेंट शेड्यूलिंग को सक्षम बनाता है।

➤ ABHA की भविष्य की संभावनाएं:

- स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए नई सुविधाओं और कार्यात्मकताओं को शामिल करते हुए विकसित और विस्तारित होने की उम्मीद है।
- एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए अन्य स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं और पहलों के साथ संभावित एकीकरण किया जा सकता है।
- प्रभावशीलता और प्रभाव को मजबूत करने के लिए निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता है।

टाइडल लॉकिंग (Tidal Locking)

संदर्भ: दुनिया भर के खगोलविदों और खगोल भौतिकीविदों की एक टीम ने ज्वारीय रूप से बंद सुपर-अर्थ एक्सोप्लैनेट की प्रारंभिक पहचान की पुष्टि की है।

- इस टीम ने एक्सोप्लैनेट एलएचएस 3844बी की ज्वारीय रूप से बंद गति की पुष्टि करने के लिए एक अद्वितीय दृष्टिकोण का उपयोग किया है।
- ज्वारीय लॉकिंग तब होती है जब किसी खगोलीय पिंड का एक हिस्सा गुरुत्वाकर्षण बल के कारण हमेशा अन्य परिक्रमा करने वाले पिंड के समक्ष होता है।
- शोधकर्ताओं ने तारों के प्रकाश प्रतिबिंब को मापने और सतह के तापमान की गणना करने के लिए स्पेक्ट्रल स्पेस टेलीस्कोप से इन्फ्रारेड डेटा का विश्लेषण किया।

➤ ज्वारीय या टाइडल लॉकिंग:

- ज्वारीय लॉकिंग सह-परिक्रमा करने वाले खगोलीय पिंडों के बीच तब होती है जब एक वस्तु की घूर्णन दर उसकी कक्षा में स्थिर रहती है।
- इस घटना के परिणामस्वरूप समकालिक घूर्णन होता है, जहां वस्तु को अपनी धुरी के चारों ओर घूमने में उतना ही समय लगता है जितना उसे अपने सह-परिक्रमा करने वाले ग्रह के चारों ओर घूमने में लगता है।
- इसके उदाहरणों में चंद्रमा को शामिल किया जा सकता है, जो ज्वारीय लॉकिंग के कारण हमेशा पृथ्वी पर एक ही भाग दर्शाता है।
- ज्वारीय लॉकिंग चंद्रमाओं और ग्रहों के बीच, साथ ही प्लूटो और कैरन (Charon) जैसे बौने ग्रहों और उनके चंद्रमाओं के बीच भी हो सकती है।

➤ मैकेनिज्म तंत्र:

- ज्वारीय लॉकिंग एक पिंड द्वारा दूसरे पिंड पर लगाए गए गुरुत्वाकर्षण बलों से उत्पन्न होती है, जिससे उन ग्रहों में विकृतियां और ज्वारीय उभार पैदा होते हैं।

Face to Face Centres





5 April, 2024

- विकृत पिंड पर गुरुत्वाकर्षण प्रवणता के परिणामस्वरूप एक टॉर्क (torque) उत्पन्न होता है जो इसके घूर्णन को इसकी कक्षीय अवधि के साथ संरेखित करता है।
- नेट टॉर्क खगोलीय पिंड के घूर्णन को उसकी कक्षीय परिक्रमा के साथ संरेखित करता है, जिससे अंततः ज्वारीय लॉकिंग की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

➤ टाइडल लॉकिंग संबंधी घटना:

- सौर मंडल में सभी ज्ञात बड़े चंद्रमा प्रारंभिक अवस्था में ज्वारीय रूप से बंद अवस्था में रहे हैं।
- इनके उदाहरणों में प्लूटो और कैरन, एरिस और डिस्नोमिया शामिल हैं, जहां पारस्परिक ज्वारीय लॉकिंग देखी जाती है।
- पृथ्वी का चंद्रमा भी ज्वारीय लॉकिंग को प्रदर्शित करता है, हालांकि इसके घूर्णन और कक्षीय अवधि को समन्वयित किया जा सकता है, तथापि यह दृश्य सतही क्षेत्र में भिन्नता दर्शाता है।
- टाइडल लॉकिंग को एक्सोप्लैनेट में भी देखा जाता है, जैसे कि प्रॉक्सिमा सेंटॉरी बी, और करीबी बाइनरी सितारों यह देखा जा सकता है।



चंबा में 5.3 तीव्रता का भूकंप देखा गया

संदर्भ: विगत 4 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में 5.3 तीव्रता का भूकंप आने पर उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए।

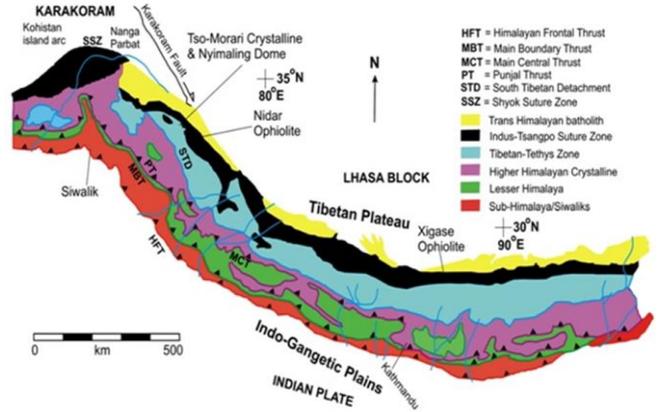
- शिमला में मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, भूकंप 10 किमी की गहराई पर आया।
- वर्ष 1905 में आज ही के दिन, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में 8 तीव्रता के भूकंप ने व्यापक विनाश किया और पश्चिमी हिमालय में 20,000 से अधिक लोगों की जान ले ली।

➤ भूकंप की परिभाषा:

- भूकंप पृथ्वी की पर्पटी में होने वाले हलचल या ज्वालामुखीय गतिविधि के कारण जमीन का अचानक कंपन होता है। यह पृथ्वी की पर्पटी में विवर्तनिक गतिविधियों के दौरान अचानक ऊर्जा के निकलने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है।

➤ भूकंप के कारण:

- सक्रिय युवा वलित पर्वतों, विशेषकर हिमालय की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप से अत्यधिक प्रभावित होता है।
- प्रति वर्ष पांच से छह सेंटीमीटर की दर से यूरोशियन प्लेट के तरफ भारतीय टेक्टोनिक प्लेट की गति और अभिसरण हिमालयी भूकंप में योगदान देता है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण मोटी बर्फ की चादरों के पिघलने से पृथ्वी की भू-पर्पटी पर भार कम हो सकता है, जिससे सूक्ष्म स्तर के भूकंप आ सकते हैं।
- मानसून के महीनों के दौरान, सिंधु-गंगा के मैदान में वर्षा में वृद्धि से पृथ्वी की पर्पटी पर तनाव बढ़ जाता है, जबकि शुष्क सर्दियों में पानी का वजन कम हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप सूक्ष्म भूकंपीय झटके आते हैं।
- बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण भी भूकंपीय गतिविधि को ट्रिगर (रेखांकित) कर सकता है।



➤ भारत में भूकंपीय क्षेत्र:

- पिछले भूकंपों और टेक्टोनिक सेटअप से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर भारत को चार भूकंपीय क्षेत्रों (II, III, IV और V) में विभाजित किया गया है।
- हिमालय में अधिकांश भूकंप उथली गहराई (<30 किमी) पर आते हैं, गहरे भूकंप चाप के अंत में भारतीय प्लेट के मेंटल में उतरने का संकेत देते हैं।

➤ गहराई के आधार पर भूकंप के प्रकार:

- उथले भूकंप 0 से 70 किमी की गहराई पर आते हैं।
- मध्यवर्ती भूकंप 70 से 300 किमी की गहराई पर आते हैं।
- गहरे भूकंप 300 से 700 किमी की गहराई पर आते हैं।

➤ वडाती-बेनियोफ़ ज़ोन (Wadati-Benioff zone):

- इस क्षेत्र में गहरे भूकंप (300-700 किमी) के क्षेत्र आते हैं।
- यह एक अन्तःक्षेपण वाला (सबडक्शन) क्षेत्र है जहां एक महाद्वीपीय प्लेट के विरुद्ध उतरती समुद्री क्रस्टल प्लेट की परस्पर क्रिया से भूकंप उत्पन्न होते हैं।
- सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से कुछ इस क्षेत्र में आते हैं, जो सबडक्शन थ्रस्ट फॉल्ट के साथ फिसलन या नीचे की प्लेट के भीतर दोषों के कारण होते हैं क्योंकि यह मेंटल में जाता है।

Face to Face Centres





NEWS IN BETWEEN THE LINES

मौद्रिक नीति



भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) आज, 5 अप्रैल को वित्तीय वर्ष 2024-25 की अपनी पहली द्वि-मासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेगा।

मौद्रिक नीति के बारे में:

- मौद्रिक नीति किसी देश के मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा धन आपूर्ति और ब्याज दरों को नियंत्रित करने के लिए किए गए कार्य और निर्णय हैं।
- भारत में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) मौद्रिक नीति के संचालन के लिए जिम्मेदार है।
- मौद्रिक नीति का उद्देश्य मूल्य स्थिरता प्राप्त करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए विनिमय दर स्थिरता सुनिश्चित करना है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत मौद्रिक नीति समिति का गठन किया गया। यह समिति मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय लेती है।
- आरबीआई केंद्र सरकार के विकासात्मक एजेंडे के साथ मिलकर मौद्रिक नीति को नियंत्रित करता है।
- मौद्रिक नीति के उपकरणों में तरलता समायोजन सुविधा (LAF), रेपो दर, रिबर्स रेपो दर, वैधानिक तरलता अनुपात (SLR), सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर, बैंक दर, नकद आरक्षित अनुपात (CRR) और खुले बाजार संचालन (OMO), जो अर्थव्यवस्था में तरलता, ब्याज दरों और ऋण उपलब्धता को सामूहिक रूप से नियंत्रित करते हैं।
- आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (MPC) में छह सदस्य होते हैं, जिनमें आरबीआई के तीन और भारत सरकार द्वारा नियुक्त तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं जो आर्थिक स्थितियों की समीक्षा करने और प्रमुख नीति दरों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से बैठक करते हैं।

अग्नि-प्राइम मिसाइल



हाल ही में अग्नि-प्राइम मिसाइल का डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप, ओडिशा में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

अग्नि-प्राइम मिसाइल के बारे में:

- अग्नि-प्राइम भारत द्वारा विकसित एक नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल है।
- यह परीक्षण "रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन" (डीआरडीओ) के सहयोग से सामरिक बल कमान (एसएफसी) द्वारा आयोजित किया गया था।
- उड़ान-परीक्षण का प्राथमिक उद्देश्य अग्नि-प्राइम मिसाइल के विश्वसनीय प्रदर्शन को मान्य करना था।

क्रियोलो मवेशी

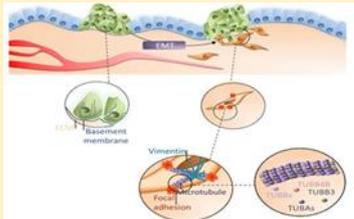


हाल ही में, आयरिश वैज्ञानिकों ने पाया है कि नई दुनिया में विकसित मवेशियों की एक नस्ल क्रियोलो जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन प्रदर्शित करती है।

क्रियोलो मवेशी के बारे में:

- "क्रियोलो" शब्द की उत्पत्ति पुर्तगाली "क्रिओलो" से हुई है और इसका उपयोग औपनिवेशिक हिस्पैनिक और लूसोफोन अमेरिका में नई दुनिया में उत्पन्न हुए लोगों को इबेरिया (स्पेन और पुर्तगाल) के मूल निवासियों से अलग करने के लिए किया जाता था, जिन्हें "पेनिनसुलोरिस" (Penninsulares) के नाम से जाना जाता है।
- क्रियोलो का विस्तार पशुधन (मवेशी, भेड़, घोड़े और बकरियों) तक भी था।
- उन्होंने सदियों से अनुकूलन विकसित किया है जिससे वे पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति लचीले बन गए हैं।
- उनके पास छोटे, चिकने बाल वाले फ्र होते हैं जो बेहतर थर्मोटॉलरेंस प्रदान करते हैं जिससे वे गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति का सामना करने में सक्षम होते हैं।
- अनुसंधान ने क्रियोलो मवेशियों की आबादी में प्रजनन, प्रजनन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता सहित अनुकूली लक्षणों से जुड़े जीन हस्ताक्षरों की पहचान की है और ये आनुवंशिक अनुकूलन विविध पर्यावरणीय परिस्थितियों में पनपने की उनकी क्षमता में योगदान करते हैं।
- अमेरिका में पहला मवेशी 1493 में क्रिस्टोफर कोलंबस की दूसरी यात्रा पर स्पेनिश कैनरी द्वीप समूह के ला गोमेरा से हिस्पानियोला (हाैती और डोमिनिकन गणराज्य) में लाया गया था।
- 15वीं और 16वीं शताब्दी में इबेरिया से अमेरिका आए मवेशी भूमध्यसागरीय जलवायु के अनुकूल थे।

टीयूबीबी4बी जीन



हाल ही में एक अध्ययन से पता चला है कि कोशिका आकार को नियंत्रित करने वाले जीन के दुर्लभ रूप बाएं हाथ के व्यक्तियों में 2.7 गुना अधिक पाए जाते हैं, जो बाएं हाथ के होने के आनुवंशिक पहलू पर प्रकाश डालता है।

टीयूबीबी4बी के बारे में:

- टीयूबीबी4बी एक प्रोटीन कोडिंग जीन है जो β -4B ट्यूबुलिन आइसोटोप को कोड करता है। इसे ट्यूबुलिन बीटा-4बी वर्ग IVb के नाम से भी जाना जाता है।
- यह कोशिका चक्र प्रक्रियाओं और शुक्राणुजनन कोशिकाओं के प्रसार में शामिल होता है।
- यह लेबर जन्मजात अंधत्व (लेबर कॉन्जेनिटल अमाउरोसिस) के साथ प्रारंभिक बहरेपन और लेबर प्लस रोग जैसे रोगों से जुड़ा हुआ है।
- यह कोशिकाओं को आंतरिक संरचना प्रदान करने वाले माइक्रोट्यूबुल्स के निर्माण में शामिल प्रोटीन को नियंत्रित करता है।
- टीयूबीबी4बी जीन के दुर्लभ रूप बाएं हाथ के व्यक्तियों की तुलना में बाएं हाथ के व्यक्तियों में 2.7 गुना अधिक पाए गए हैं।
- टीयूबीबी4बी जीन रूपों की पहचान मस्तिष्क की सामान्य विषमताओं को स्थापित करने में इसकी भूमिका का सुझाव देती है जो हाथ के प्रमुखता को प्रभावित कर सकती है।





5 April, 2024

सुर्खियों में स्थल

पोलैंड

हाल ही में गाजा में एक पोलिश सहायता कर्मी की मृत्यु के कारण पोलैंड और इजराइल के मध्य राजनयिक संकट उत्पन्न हो गया।

पोलैंड (राजधानी: वारसॉ)

अवस्थिति : पोलैंड मध्य यूरोप में स्थित एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: पोलैंड की सीमाएँ यूक्रेन और बेलारूस (पूर्व), जर्मनी (पश्चिम), बाल्टिक सागर (उत्तर), लिथुआनिया, रूसी क्षेत्र कलिननिनग्राद ओब्लास्ट (पूर्वोत्तर), चेक गणराज्य और स्लोवाकिया (दक्षिण) के साथ लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- पोलैंड का सबसे ऊँचा स्थान रिसी है, जो स्लोवाकिया की सीमा पर टाट्रा पर्वत में स्थित है।
- पोलैंड की कुछ प्रमुख नदियों में विस्तुला, ओडर, वार्टा, बग और नारेव शामिल हैं।
- पोलैंड की कुछ प्रमुख झीलों में स्निआर्डेवी झील, मेमरी झील, लेब्सको झील, विग्री झील और मिक्लोलाजस्की झील शामिल हैं।
- पोलैंड के पास कोयला, तांबा, चांदी, जस्ता, सीसा, नमक और प्राकृतिक गैस आदि महत्वपूर्ण खनिज संसाधन हैं।

सदस्यता: पोलैंड यूरोपीय संघ, नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) और संयुक्त राष्ट्र, डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) आदि सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।



POINTS TO PONDER

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने हाल ही में सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग करते हुए किस पहल का अनावरण किया है? – **डिजिटल स्वास्थ्य संवर्धन के लिए S.A.R.A.H. (स्मार्ट एआई रिसोर्स असिस्टेंट फॉर हेल्थ)** नामक प्रोटोटाइप पहल।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा पूर्व-परियोजना अध्ययन के लिए वित्त पोषित, बेंगलुरु के रमन अनुसंधान संस्थान (आरआरआई) के शोधकर्ताओं ने भविष्य में चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष रेडियो दूबीन लगाने के उद्देश्य से कौन सी परियोजना शुरू की है? – **प्रत्यूष (PRATUSH : Probing Reionization of the Universe using Signal from Hydrogen)**
- भारत किस क्षेत्र में 1865 की जॉनसन रेखा को सीमा मानता है, जबकि चीन 1899 की मैकडोनाल्ड रेखा को वास्तविक सीमा मानता है? – **पश्चिमी क्षेत्र (लद्दाख)**
- जून 1974 में भारत और श्रीलंका के बीच हुए समुद्री सीमा समझौते के अनुसार, कच्चातिलु सीमा के किस तरफ स्थित था? – **श्रीलंकाई पक्ष**
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) ने किस तिथि से केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (CGHS) लाभार्थी आईडी को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) आईडी के साथ जोड़ना अनिवार्य कर दिया? – **1 अप्रैल**

Face to Face Centres

